प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (2023-24)

कक्षा 10वीं हिंदी -अ (कोड 002)

निर्धारित समय: 3 घंटे

पूर्णांक: 80

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और 'ख'। खंड क में वस्तुपरक / बहुविकल्पीय और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ (बहुविकल्पीय /वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय /वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5)

लोकमन अपनी स्मृतियों में अतीत के इतिहास को सुरक्षित रखता है। जब वह अपनी स्मृतियों की अभिव्यक्ति कथाओं और गीतों के माध्यम से करता है तो वह साक्ष्य के रूप में आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रहती हैं। लोक गायक सीधी-सरल प्रतिक्रियाओं एवं अभिव्यंजना को सभ्यता और शिष्टता के कृत्रिम आवरण से ढँके बिना उसकी सहज अभिव्यक्ति करता है इसलिए उसमें आडंबर नहीं, सत्यता का अंश दिखाई देता है। लोकभाषाओं में रचे लोकगीतों के अध्ययन से भारतीय स्वतन्त्रता-संग्राम के विभिन्न प्रसंगों के बहुआयामी पक्षों को नए संदर्भों में विश्लेषित करके अज्ञात और अनसुलझे रहस्य सुलझाए जा सकते हैं। लोक-साहित्य या लोक-गीत युग की धड़कनों के साथ- साथ, तत्कालीन मानवीय संघर्ष और वेदनाओं को जानने के बेहतर माध्यम हो सकते हैं क्योंकि लोक- गीतों के रचयिता किसी सामाजिक-राजनीतिक चेतना या संगठनों से जुड़े न होकर, मानव मात्र की वेदना की सीधी अभिव्यक्ति करते हैं।

यही वजह है कि स्वाधीनता संग्राम के दौरान 'आल्हा' अपने असाधारण प्रभाव के कारण लोक के बीच स्थान बना पाए। आल्हा लोक की जीवनी शक्ति और ऊर्जा का महाकाव्य है। यद्यपि आल्हा की मूल गायकी बनाफरी बुंदेली में है लेकिन बुंदेलों में उसकी कई वर्णन शैलियाँ हैं। यही नहीं बैसवाड़ी, कन्नौजी, अवधी, भोजपुरी, बघेली, ब्रजी, कौरवी आदि लोक भाषाओं में भी अलग-अलग वर्णन शैलियों की शृंखला है जिनमें उस जनपद की भाषाएँ, मुहावरे और मिजाज व लोक संस्कृति और लोक चेतना इतनी घुलमिल गई है कि वह उस लोक की अपनी कथा बन गई है। यह परंपरा लोक कवि जगनिक के आल्हा गायन से प्रारम्भ हुई।

{ स्रोत : लोकगीतों में दर्ज है अनाम योद्धाओं के बलिदान की कथाएँ , पत्रिका:सबलोग (मई - 2021) लेखिका : विभा ठाकुर}

क. लोकगीतों में आडंबर नहीं, सत्यता का अंश दिखाई देता है, क्योंकि वे:

A. स्मृतियों में अतीत के इतिहास को सुरक्षित रखते हैं।

B. आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रहते हैं।
C. सभ्यता और शिष्टता के कृत्रिम आवरण से ढँके बिना सहज अभिव्यक्त करते हैं।
D. भारतीय स्वतन्त्रता-संग्राम के विभिन्न प्रसंगों के बहुआयामी पक्षों का विश्लेषण करते हैं।

ख. लोकगीतों की कौन-सी खूबी उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रखती है:

A. सभ्यता और शिष्टता के कृत्रिम आवरण से ढके बिना सहज अभिव्यक्त करना।
B. भारतीय स्वतन्त्रता-संग्राम के बहुआयामी पक्षों का विश्लेषण करना।
C. लोक-स्मृतियों को कथाओं और गीतों के माध्यम से अभिव्यक्त करना।
D. विविध जनपदों की भाषा, मुहावरे-मिजाज, लोक संस्कृति और लोक चेतना की मौजूदगी।

ग. स्वतंत्रता संघर्ष के संदर्भ में लोकगीतों की विशेषता नहीं है:

A. ये विविध प्रसंगों के बहुआयामी पक्षों को नए संदर्भों में विश्लेषित करते हैं।
B. ये अतीत के अज्ञात और अनसुलझे रहस्य सुलझाते हैं।
C. तत्कालीन मानवीय संघर्ष और वेदनाओं को जानने के बेहतर माध्यम हो सकते हैं।
D. लोक- गीतों के रचयिता सामाजिक-राजनीतिक चेतना या संगठनों से जुड़े होते हैं।

घ. निम्नलिखित कथनों पर आल्हा के संदर्भ में विचार कीजिए:

1. विविध जनपदों की लोक संस्कृति और लोक चेतना के मेल से विशिष्ट रूप विकसित ।
2. आल्हा की गायकी मूलतः बैसवाड़ी, कन्नौजी, अवधी, बघेली आदि लोक भाषाओं में है।
3. भारतीय लोकगीतों में आल्हा गायन परंपरा कवि जगनिक से पूर्व से विद्यमान है।
4. बुंदेलों में आल्हा गायन की कई वर्णन शैलियाँ विद्यमान हैं।

A. 1 और 2 सही हैं।
B. 2 और 3 सही हैं।
C. 3 और 4 सही हैं।
D. 1 और 4 सही हैं।

ङ. कथन (A) और कारण. (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A) : *लोकगीत अतीत में मानव मात्र के संघर्ष और वेदनाओं को जानने के बेहतर माध्यम हो सकते हैं।*

कारण (R) : *लोकगीतों के रचयिता किसी सामाजिक-राजनीतिक चेतना या संगठनों से नहीं जुड़े होते हैं।*

A. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
B. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
C. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
D. कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय /वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5)

उड़ चल हारिल लिये हाथ में
यही अकेला ओछा तिनका
उषा जाग उठी प्राची में
कैसी बाट, भरोसा किन का!

शक्ति रहे तेरे हाथों में
छूट न जाय यह चाह सृजन की
शक्ति रहे तेरे हाथों में
रुक न जाय यह गति जीवन की!

ऊपर ऊपर ऊपर ऊपर
बढ़ा चीर चल दिग्मण्डल
अनथक पंखों की चोटों से
नभ में एक मचा दे हलचल!

तिनका तेरे हाथों में है
अमर एक रचना का साधन
तिनका तेरे पंजे में है
विधना के प्राणों का स्पंदन!

काँप न यद्यपि दसों दिशा में
तुझे शून्य नभ घेर रहा है
रुक न यद्यपि उपहास जगत का
तुझको पथ से हेर रहा है!

ऊषा जाग उठी प्राची में
आवाहन यह नूतन दिन का
उड़ चल हारिल लिये हाथ में

एक अकेला पावन तिनका!

स्रोत: कविता कोश (अज्ञेय)

क. उपर्युक्त काव्यांश की किन पंक्तियों में साधन की साधारणता के बावजूद संकल्प पर विश्वास जताया गया है :

A. उड़ चल हारिल लिये हाथ में / यही अकेला ओछा तिनका
B. ऊपर ऊपर ऊपर ऊपर / बढ़ा चीर चल दिग्मण्डल
C. तिनका पथ की धूल स्वयं तू / है अनंत की पावन धूली
D. ऊषा जाग उठी प्राची में / आवाहन यह नूतन दिन का

ख. 'विधना के प्राणों का स्पंदन!' से कवि का आशय है- विधाता की ....शक्ति की झलक ।

A. रक्षात्मक B. सृजनात्मक C. संहारक D. उपकारक

ग. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A) : ऊपर ऊपर ऊपर ऊपर / बढ़ा चीर चल दिग्मण्डल

कारण (R) : अनथक पंखों की चोटों से / नभ में एक मचा दे हलचल!

A. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
B. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
C. कथन (A) और (R) सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
D. कथन (A) और (R) सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ. काव्यांश की किन पंक्तियों में भय और अपमान से मुक्त रहने की प्रेरणा दी गयी है:

A. तिनका पथ की धूल स्वयं तू / है अनंत की पावन धूली
किन्तु आज तूने नभ पथ में / क्षण में बद्ध अमरता छू ली!
B. शक्ति रहे तेरे हाथों में / छूट न जाय यह चाह सृजन की
शक्ति रहे तेरे हाथों में / रुक न जाय यह गति जीवन की!
C. काँप न यद्यपि दसों दिशा में / तुझे शून्य नभ घेर रहा है
रुक न यद्यपि उपहास जगत का / तुझको पथ से हेर रहा है!

D. तिनका तेरे हाथों में है / अमर एक रचना का साधन
तिनका तेरे पंजे में है / विधना के प्राणों का स्पंदन!

ङ. काव्यांश से प्राप्त हो रहे संदेश के आधार पर काव्यांश की पंक्तियों का मिलान कीजिए और इसी आधार पर सही विकल्प चुनिए:

i. आत्मविश्वास का संदेश	अ. उषा जाग उठी प्राची में / आवाहन यह नूतन दिन का!
ii. नवजागरण का संदेश	आ. अनथक पंखों की चोटों से / नभ में एक मचा दे हलचल!
iii. कर्मठता का संदेश	इ. उषा जाग उठी प्राची में / कैसी बाट, भरोसा किन का!

A. i-अ, ii-आ, iii-इ
B. i-आ, ii-अ, iii-इ
C. i-इ, ii-अ, iii-आ
D. i-अ, ii-इ, iii-आ

प्रश्न 3. निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य भेद पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। (1×4 =4)

क. मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था। मिश्र वाक्य में बदलिए:

A. मैं युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।
B. युवावस्था में शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने मेरी रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।
C. शीला अग्रवाल की बातें जोशीली थीं अतः उसने युवावस्था में मेरी रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।
D. मैं जब युवा थी तब शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।

ख. 'एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है।' सरल वाक्य में बदलिए।

A. चश्मेवाले का नाम कैप्टन है।

B. एक चश्मे वाला है और उसका नाम कैप्टन है।

C. जो चश्मा वाला है उसका नाम कैप्टन है।

D. जिसका नाम कैप्टन है वह चश्मेवाला है।

ग. 'हड़ताल तो हुई परंतु उसका कोई नतीजा नहीं निकला।'_____________का उदाहरण है :

A. संयुक्त वाक्य

B. मिश्र वाक्य

C. सरल वाक्य

D. संज्ञा वाक्य

घ. निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक सही विकल्प चुनिए।

1. जो व्यक्ति परिश्रम करता है वह सफल होता है।

2. मैं कल बाजार जाऊँगा और कोट खरीदूँगा ।

3. जैसे ही पर्दा उठा लोग मंत्रमुग्ध हो गए।

4. गंगटोक मेहनतकश बादशाहों का शहर कहा जाता है।

A. 1 और 2 सही है।

B. 2 और 3 सही है।

C. 1 और 3 सही है।

D. 2 और 4 सही है।

ङ. सूची 1 को सूची 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए ।

सूची 1	सूची 2
1.मज़दूर खूब मेहनत करता है परंतु उसे लाभ नहीं मिलता है ।	i. मिश्र वाक्य
2.जो बिना भेदभाव सभी के कल्याण हेतु जीवन उत्सर्ग कर देता है वही सच्चा नेता होता है।	ii. सरल वाक्य
3. खाँ साहब ने शहनाई को हमेशा इबादत की तरह बजाया ।	iii. संयुक्त वाक्य

A. 1-(i) , 2- (ii) , 3-(iii)

B. 1-(iii) , 2-(i) , 3-(ii)
C. 1-(i) , 2 -(iii), 3-(ii)
D. 1-(ii), 2 -(i) , 3-(iii)

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए।

(1×4 =4)

क. नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। (कर्म वाच्य में बदलिए)

A. नवाब साहब द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।
B. नवाब साहब संगति के लिए उत्साहित नहीं थे।
C. क्योंकि नवाब साहब संगति नहीं करना चाहते थे, अतः उन्होंने उत्साह नहीं दिखाया।
D. नवाब साहब द्वारा संगति के लिए उत्साह दिखाया जाता है।

ख. महात्मा गांधी ने विश्व को शांति का संदेश दिया। उपर्युक्त वाक्य में वाच्य है –

A. कर्म वाच्य
B. भाव वाच्य
C. कर्तृ वाच्य
D. कर्तृ और कर्म वाच्य दोनों

ग. 'हम इस खुले मैदान में दौड़ सकते हैं।' उपर्युक्त वाक्य को भाव वाच्य में बदलिए।

A. हम दौड़ सकते हैं इस खुले मैदान में।
B. हम इस खुले मैदान में दौड़ सकेंगे।
C. हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जाएगा।
D. हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जा सकता है।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में कर्म वाच्य का उदाहरण है:

1. मैंने एक घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाया।
2. अरविंद द्वारा स्वर्ण पदक जीता गया।
3. प्रवासी पक्षियों द्वारा उड़ा जाता है।
4. नेताजी द्वारा देश के लिए अपना सबकुछ त्याग दिया गया।

A. 1 और 2 सही है।
B. 2 और 3 सही है।
C. 1 और 4 सही है।

D. 2 और 4 सही है।

ङ. सूची 1 को सूची 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए ?

सूची 1	सूची 2
1. फूलों से सुगंध आती है।	I. भाव वाच्य
2. दादा जी प्रतिदिन योग करते हैं।	II. कर्तृ वाच्य
3. पथिक को अवश्य जाना होगा।	III. कर्म वाच्य

विकल्प

A. 1. i , 2. ii , 3. iii

B. 1.ii , 2. iii , 3. i

C. 1. i , 2. iii, 3.ii

D. 1. ii, 2. i , 3. Iii

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए।

(1×4 =4)

क. '<u>भारतीय वैज्ञानिकों</u> ने चंद्रयान 3 का सफल प्रक्षेपण किया।' --रेखांकित पद का परिचय है-

A. जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

B. जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

C. जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

D. जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

ख. 'रेखा <u>नित्य</u> दौड़ने जाती है।'--रेखांकित पद का परिचय है-

A. गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

B. रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'दौड़ने जाता है' क्रिया की विशेषता

C. अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

D. अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'दौड़ने जाती है' क्रिया की विशेषता

ग. 'अहा! <u>बाग़ में</u> कैसे मीठे फल लगे हैं।'--रेखांकित पद का परिचय है-

A. जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, पुल्लिंग, एकवचन

B. जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

C. व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

D. भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करणकारक

घ. '<u>हम</u> आज भी देश पर प्राण न्यौछावर करने हेतु तैयार रहते हैं।'--रेखांकित पद का परिचय है-

A. पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक
B. पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ताकारक
C. पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ताकारक
D. पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक

ङ. '<u>चंचल</u> बच्चों को देखकर मन खुश हो गया।'-- रेखांकित पद का परिचय है-

A. संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, बच्चे (विशेष्य) का विशेषण
B. गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, बच्चे (विशेष्य) का विशेषण
C. परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, बच्चे (विशेष्य) का विशेषण
D. गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, बच्चे (विशेष्य) का विशेषण

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए।

(1×4 =4)

क. *'सूरदास अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी '* **में अलंकार है--**

A. उत्प्रेक्षा अलंकार
B. श्लेष अलंकार
C. यमक अलंकार
D. अनुप्रास अलंकार

ख. 'सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी <u>भोली आत्म-कथा?</u> **रेखांकित में अलंकार है--**

A. उत्प्रेक्षा अलंकार
B. श्लेष अलंकार
C. यमक अलंकार
D. मानवीकरण अलंकार

ग. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प गलत सुमेलित है ?

A. सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी– उत्प्रेक्षा अलंकार
B. पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सों पग धोए। – अतिशयोक्ति अलंकार
C. मनका मनका डार दे मन का मनका फेर – श्लेष अलंकार

D. जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय / बारे उजियारे करै, बढ़े अँधेरो होय॥– श्लेष अलंकार

घ. ‘सूची 1 को संबंधित अलंकार से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए।

सूची 1	**अलंकार**
1. अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।	i. अतिशयोक्ति
2. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून।।	ii. मानवीकरण
3. छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।	iii. श्लेष

विकल्प

A. 1. i , 2. ii , 3. iii
B. 1.ii , 2. iii , 3. i
C. 1. i , 2. iii, 3.ii
D. 1. ii, 2. i , 3. Iii

ङ. जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना प्रकट की जाए, वहाँ ____________ अलंकार होता है।

A. उत्प्रेक्षा
B. श्लेष
C. मानवीकरण
D. अतिशयोक्ति

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(1×5 =5)

अपने से दो साल बड़ी बहिन सुशीला और मैंने घर के बड़े से आँगन में बचपन के सारे खेल खेले-सतोलिया, लँगड़ी-टाँग, पकड़म-पकड़ाई, काली-टीलो...तो कमरों में गुड्डे-गुड़ियों के ब्याह भी रचाए, पास-पड़ोस की सहेलियों के साथ। यों खेलने को हमने भाइयों के साथ गिल्ली-डंडा भी खेला और पतंग उड़ाने, काँच पीसकर माँजा सूतने का काम भी किया, लेकिन उनकी गतिविधियों का दायरा घर के बाहर ही अधिक रहता था और हमारी सीमा थी घर। हाँ, इतना ज़रूर था कि उस ज़माने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थी, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह

महसूस होता है कि अपनी ज़िदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत 'पड़ोस-कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है। मेरी कम-से-कम एक दर्जन आरंभिक कहानियों के पात्र इसी मोहल्ले के हैं जहाँ मैंने अपनी किशोरावस्था गुज़ार अपनी युवावस्था का आरंभ किया था।

क. लेखिका और उसकी बहन सुशीला का बचपन अपने भाइयों से कैसे अलग था?

A. वे लंगड़ी-टांग, सतोलिया आदि खेलतीं जबकि उनके भाई गिल्ली-डंडा, पतंग आदि।
B. वे घर के काम-काज करती थी और उन्हें खेल खेलने की अनुमति नहीं थी।
C. उन्हें खेलने के लिए घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं थी।
D. उनके और उनके भाइयों के बचपन में कोई अंतर नहीं था।

ख. उपर्युक्त गद्यांश में लेखिका किस ज़माने (समय) की तरफ संकेत कर रही है?

A. 1960 के बाद के दशक की
B. वर्तमान समय की
C. आज़ादी (1947) के ठीक पूर्व के दशक की
D. आज़ादी (1947) के पश्चात् के दशक की

ग. परंपरागत पड़ोस कल्चर की क्या विशेषताएँ थीं?

A. लोग रुढ़िवादी और अंधविश्वासी थे।
B. मोहल्ले भर को घर-परिवार जैसा ही समझा जाता था।
C. लोगों में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की प्रबल चाह थी।
D. लोगों के घरों की दीवारें एक दूसरे से सटी रहती थीं।

घ. आधुनिक महानगरों के फ्लैट में रहने वालों का जीवन ______________हो गया है।

A. सुखी और समृद्ध
B. असहाय और असुरक्षित
C. अशांत और प्रदूषित
D. मैत्रीपूर्ण और विकसित

ङ. लेखिका की आरंभिक कहानियों के अधिकतर पात्रों का संबंध उनके मोहल्ले से है। क्योंकि-

A. किशोर मन पर उनकी गहरी छाप थी।
B. मोहल्ले के लोग बहुत प्रिय थे।
C. अन्य लोगों के विषय में सीमित जानकारी थी।
D. मोहल्ले के लोग एक परिवार की तरह रहते थे।

प्रश्न 8. 'क्षितिज' के गद्य पाठों के आधार निम्नलिखित दो बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(1×2=2)

क. हालदार साहब ने 'सोचा, आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकाल जाएंगे।' क्योंकि वे -

A. नेताजी की मूर्ति पर चश्मा न होने के कारण नाराज थे।
B. पानवाले के हसोड़ व्यवहार से ऊब गए थे।
C. कैप्टन जैसे भले व्यक्ति की मृत्यु से दुखी थे।
D. देशभक्तों के उपहास से आहत थे।

ख. बिस्मिल्ला खाँ साहब के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही नहीं है?

A. वे काशी, बाबा विश्वनाथ और गंगा मइया के प्रति अपार आस्था रखते थे।
B. वे पाँचों व्यक्त के नमाज़ी और मुहर्रम में नौहा बजाने वाले सच्चे मुसलमान थे।
C. वे खुदा से प्रसिद्धि और शोहरत की कामना करते थे।
D. वे खुदा से रियाज़ और कला में सच्चे सुर की कामना करते थे।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए–

(1×5 =5)

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

क. 'आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ' से कवि का आशय है जब आवाज़

A. में उत्साह और खनक आने लगती है

B. लड़खड़ाने और मंद पड़ने लगती है।

C. निकलना अवरुद्ध हो जाता है।

D. द्रुत और तीव्रतर हो जाती है।

ख. निम्नलिखित पंक्तियों में से किस पंक्ति से गायक के हतोत्साहित होने का पता चलता है:

A. स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

B. तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

C. कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

D. यह कि फिर से गाया जा सकता है

ग. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा/से संगतकार के विषय में सही नहीं है ?

A. उत्साहहीन मुख्य गायक को ढाढ़स बँधाता है।

B. कभी-कभी यूँ ही मुख्य गायक का साथ दे देता है।

C. उसकी आवाज में कभी कोई हिचक नहीं सुनाई देती है।

D. वह कभी मुख्य गायक को अकेला नहीं होने देता है।

घ. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A) : *संगतकार की आवाज में हिचक है और वह अपनी आवाज को ऊँचा नहीं उठने देने की कोशिश करता है।*

कारण (R) : *संगतकार का त्याग उसकी मनुष्यता का परिचायक है।*

A. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

B. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

C. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

D. कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

ङ. 'संगतकार' कविता का केन्द्रीय भाव है-

A. सहयोगियों के प्रति संवेदनशीलता

B. सफल और असफल लोगों में अंतर

C. गायन कला की बारीकियाँ

D. मुख्य गायक के महत्व

प्रश्न 10. पाठ्यपुस्तक में निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित दो प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए –

(1×2=2)

क. निम्नलिखित में से किस पद में गोपियों की व्यंग्य विदग्धता के दर्शन नहीं होते हैं?

A. उद्धव, तुम हो अति बड़भागी।
B. मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
C. सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
D. इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

ख. 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में कवि ने स्वयं को 'प्रवासी' और 'अन्य' कहा है, क्योंकि वह

A. एक लंबे अंतराल के बाद घर आया है।
B. विदेश में स्थायी रूप से रहने लगा है।
C. उसका उस घर से कोई संबंध नहीं है
D. शिशु और उसकी माँ से अपरिचित है।

<u>खंड-ब (वर्णनात्मक प्रश्न)</u>

प्रश्न 11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित 4 प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

(2×3=6)

क. 'बिना विचार, घटना और पात्रों के, लेखक की इच्छा मात्र से कहानी बन सकती है।' इस पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

ख. क्या आपकी दृष्टि में बालगोबिन भगत का अपनी पतोहू से किया गया व्यवहार उचित था? क्यों?

ग. 'सभ्यता और संस्कृति' की सही समझ के विकास के लिए क्या किया जाना चाहिए? कोई दो उपाय बताइए।

घ. नेताजी की मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बने चश्मे का होना आपके अनुसार किस बात का परिचायक है?

प्रश्न 12. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित 4 प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

(2×3=6)

क. फाल्गुन में प्रकृति में होने वाले बदलाव मानव जीवन पर क्या प्रभाव डालते हैं?

ख. कवि जयशंकर प्रसाद ने अपनी आत्मकथा के लिए 'भोली' विशेषण का प्रयोग क्यों किया है?

ग. कवि नागार्जुन फसल को किन तत्त्वों का परिणाम मानते हैं?

घ. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं?

प्रश्न 13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित 3 प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए–

(4×2=8)

क. 'माता के अंचल' पाठ में भोलानाथ और उसके साथियों द्वारा मूसन तिवारी और खेत में दाना चुगती चिड़ियों के प्रति किया गया व्यवहार कहाँ तक उचित है? तर्क सहित अपने विचार व्यक्त कीजिए।

ख. एक जिम्मेदार युवा नागरिक के रूप में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति अपने साथियों को प्रोत्साहित करने में आपकी भूमिका क्या और क्यों होनी चाहिए? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए।

ग. 'कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है।' देश के पर्यटन स्थलों की दुर्दशा के संदर्भ में 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में आए इस वक्तव्य की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए –

(6×1=6)

क. भूमंडलीय तापन (ग्लोबल वार्मिंग) : कारण और निवारण

भू-मंडलीय तापन का अर्थ, इससे होने वाले खतरे, इसके कारण, जलवायु पर प्रभाव, रोकथाम के उपाय

ख. योग और छात्र जीवन

योग का वास्तविक अर्थ , छात्र जीवन में स्वास्थ्य और अनुशासन का महत्व, योग स्वास्थ्य और एकाग्रता का उतम माध्यम

ग. अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम: चंद्रयान-3

इसरो और उसका महत्व, भारत की प्रमुख अंतरिक्ष परियोजनाएँ जैसे-चंद्रयान, मंगलयान आदि, इन परियोजनाओं से लाभ, वर्तमान चुनौतियाँ, भविष्य की कार्य-योजना

प्रश्न 15. किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए:

(5×1=5)

आपकी मित्र कृतिका ने राष्ट्रीय स्तर पर भाला फेंक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अब वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने जा रही है। अपने मित्र को उसकी सफल-सुखद यात्रा हेतु मंगलकामना व्यक्त करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

अथवा

किसी प्रसिद्ध समाचार पत्र के संपादक को 100 शब्दों में पत्र लिखिए जिसमें बढ़ती ट्रैफिक दुर्व्यवस्था के बारे में जनता और प्रशासन को उनके दायित्व का निर्वाह करने के लिए प्रेरित किया गया हो।

प्रश्न 16. किसी प्रसिद्ध समाचार पत्र के कार्यालय में पत्रकार पद के लिए आवेदन करने हेतु 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त लेख प्रस्तुत कीजिए।

(5×1=5)

अथवा

बैंक ऑफ बड़ौदा की स्थानीय शाखा में लॉकर की सुविधा प्राप्त करने हेतु शाखा प्रबंधक को एक ईमेल 80 शब्दों में भेजिए।

प्रश्न 17. आप 'विहग' नामक स्वयंसेवी संस्था के सदस्य हैं। आपकी संस्था आपके मोहल्ले में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाने जा रही है। लोगों को जागरूक करते हुए और कार्यक्रम में आमंत्रित करते हुए 40 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

(4×1=4)

अथवा

आप ऋषभ / ऋषिका हैं। आपके बड़े भाई पत्रकार हैं। उन्होंने हाल ही में नई दिल्ली में हुए जी- 20 समारोह की बहुत अच्छी रिपोर्टिंग की। उन्हें उनकी इस सफलता के लिए लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

>>